Printed Pages – 4

I-99

B.A. (Part-III) Examination, 2020

SANSKRIT

Paper - I

(नाटक, छन्द तथा व्याकरण)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

इकाई–I

Q. 1. (अ) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **20**

(क) चलापाङ्गां दृष्टि स्पृशसि बहुशो वेपथुमतीं
रहस्याख्यायीव स्वनसि मृदु कर्णान्तिकचरः।
करौ व्याधुन्वत्याः पिवसि रतिसर्वस्वमधरं
वयं तत्त्वान्वेषान्मधुकर! हस्तास्त्वं खलुकृती।।

(ख) अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता मृहिणी पदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।
तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से! शुचे गणयिष्यसि।।

(ग) यदि यथा वदति क्षितिषस्तथा
त्वमसि किं पितुरूत्कुलया त्वया।
अथ तु वेत्सि शुचि व्रतमात्मनः
पतिकुले तव दास्यमपि क्षमम्।।

(घ) प्रथमोपकृते मरुत्त्वतः प्रतिपत्या लघु मन्यते भवान्।
गणयत्यवदानविस्मितो भवतः सोऽपि न सत्क्रियागुणान।।

(ब) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सप्रसंग सहित हिन्दी में अर्थ लिखिए : **10**

(क) तीव्राघातप्रतिहततरुः स्कन्धलग्नैकदन्तः,
पादाकृष्ट व्रततिवलया सङ्गसञ्जात पाशः।
मूर्तो विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो
धर्मारण्यं प्रतिशति गजः स्यन्दनालोकभीतः।।

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(ग) कामं प्रत्यादिष्टां स्मरामि न परिग्रहं मुनेस्तनयाम्।
बलवत्तु इयमानं प्रत्यायतीव मे हृदयम्।।

इकाई–II

Q. 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के अङ्गीरस का सोदाहरण समीक्षा कीजिए। **10**

अथवा

महाकवि कालिदास के काव्यात्मक-सौन्दर्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तलम् की नायिका शकुन्तला का चरित्र-चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

इकाई–III

Q. 3. किन्हीं तीन छन्दों के लक्षण सोदाहरण लिखिए : **15**

(क) इन्द्रवज्रा छन्द

(ख) वसन्ततिलका छन्द

(ग) शिखरिणी छन्द

(घ) शार्दूलविक्रीडित छन्द

(ङ) मन्दाक्रान्ता छन्द

इकाई–IV

Q. 4. सूत्रनिर्देशापूर्वक किन्हीं तीन प्रयोगों को सिद्ध कीजिए : **10**

(क) नारी

(ख) शिष्यः

(ग) दर्शनीयः

(घ) देयम्

(ङ) गृहम्

इकाई–V

Q. 5. सूत्रनिर्देश सहित किन्हीं तीन प्रयोगों को सिद्ध कीजिए : **10**

(क) अजा

(ख) मेघवान

(ग) पुस्तिका

(घ) पावक

(ङ) बाला